

दर्जन भर दबंग सचिव अपने गृह पंचायत में, शासन के आदेश का पालन नहीं

पायनियर संचादकाता ◀ कवर्प

www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिले में चार जनपद पंचायत है।

कबीरधाम जिला पंचायत में पंडरिया, बोडला,

कवर्धा और सहस्रपुत्र लोहारा जनपद पंचायत

शामिल है। चारों जनपद पंचायत में दर्जनभर

सचिव शासन के नियमों को ताक में रखकर कार्य

संचालित कर रहे हैं इनके सामने सक्षम अधिकारी

भी बौंदे दिखाई पड़ रहे हैं। कबीरधाम जिले में

नियम कार्यों को किनारे करते हुए कार्य करना

कोई नया बात नहीं है। शासन प्रशासन के निर्देशों

को ताक में रखकर कार्य किया जाता है। जिले के

सक्षम अधिकारी जब शासन के आदेश का

अनहेलना करते दिखाई दे रहे हैं तो अस्थिरण्य या

छोटे अधिकारी-कर्मचारियों की बात ही कृहु अलग ही है।

गवर्नर के विद्यायकों के लेकिन शासन के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायती

राज व्यवस्था लागू किया है। ग्राम पंचायतों को कार्यों को

सुव्यवस्थित करने के पंचायतों में स्थानीय निवासी सचिव से

कार्य लिया जा रहा है। जिससे पंचायत की कार्यों में

परिवारकांद चल रहा है। साथ ही पंचायत चुनाव भी प्रभावित

होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।



बौना दिखाई दे रहे हैं सक्षम अधिकारी

कबीरधाम जिले में दर्जभर पंचायत सचिव अपने गृह पंचायत में कार्य कर रहे हैं। कार्यों में पारदर्शिता लाने शासन स्तर पर आदेश जारी हुआ था। छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय डी.के.एस. भवन, रायपुर।

क्रमांक- पंचा-3143 / पंगाविवि./ 2009/1479 2009/1479 रायपुर, दिनांक 16-3-09 को प्रदेश के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत को पत्र जारी किया गया था जिसमें ग्राम पंचायतों के स्थानांतरण के संबंध में जारी किया था उक पत्र में साथ रूप से लिया गया था कि इस विभाग के अनुदेश क्रमांक-3640 (ए) पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों के स्थानांतरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये हैं। जिसमें पंचायतकर्मियों के स्थानांतरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये हैं। कार्यों का नियम कार्यों को किनारे करते हुए कार्य करना कोई नया बात नहीं है। शासन प्रशासन के निर्देशों

को ताक में रखकर कार्य किया जाता है। जिले के सक्षम अधिकारी जब शासन के आदेश का अनहेलना करते दिखाई दे रहे हैं तो अस्थिरण्य या

छोटे अधिकारी-कर्मचारियों की बात ही कृहु अलग ही है। गवर्नर के विद्यायकों के लेकिन शासन के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायती

राज व्यवस्था लागू किया है। ग्राम पंचायतों को कार्यों को सुव्यवस्थित करने के पंचायत सचिव की नियुक्ति भी कार्य लिया जा रहा है। जिससे पंचायत की कार्यों में

परिवारकांद चल रहा है। साथ ही पंचायत चुनाव भी प्रभावित होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

जिसके लिए बकायदा मंत्रालय से पत्र जारी किया है बबन्दुर राज व्यवस्था लागू किया है। ग्राम पंचायतों को कार्यों को सुव्यवस्थित करने के पंचायत सचिव की नियुक्ति भी कार्य लिया जा रहा है। जिससे पंचायत की कार्यों में

परिवारकांद चल रहा है। साथ ही पंचायत सचिव के सामने बौना दिखाई दे रहे हैं। एक सचिव का स्थानांतरण के संबंध में तकाल किया जाय लेकिन कबीरधाम जिले में सक्षम अधिकारी पंचायत सचिवों के सामने बौना दिखाई दे रहे हैं। जिसका फायदा अधीनस्थ कर्मचारी उठ रहे हैं। एक सचिव का स्थानांतरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये हैं। कार्यों का नियम कार्यों को किनारे करते हैं। अराज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि उन पंचायतकर्मियों को, जो अपने ग्राम पंचायत में पदस्थ हैं, उनका स्थानांतरण जिले के भीतर की अन्य ग्राम पंचायतों में तकाल किया जाय लेकिन कबीरधाम जिले में सक्षम अधिकारी पंचायत सचिवों के सामने बौना दिखाई दे रहे हैं।

शासन ने अवगत करने का भी दिए थे निर्देश

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी किए गए स्थानांतरण के संबंध पत्र का पालन करने का निर्देश जारी किया गया साथ ही उपरोक्त लिये गये निर्णय के पालन में ग्राम पंचायतों में पदस्थ पंचायतकर्मियों का स्थानांतरण अन्य ग्राम पंचायतों में

किया जाकर इस विभाग को अवगत करना सुनिश्चित किया जाए लेकिन यहाँ तो पंचायत सचिव अपने उच्चाधिकारियों का फोन नहीं भरते हैं।

जिसका फोन उठाना भी उचित नहीं समझते।

दर्जन भर सचिव अभी भी हैं गृह पंचायत में

कबीरधाम जिले पंचायत अंतर्गत चार जनपद पंचायत बोडला, सहस्रपुत्र लोहारा, कवर्धा और पंडरिया है। मिली

जानकारी अनुसार जिसमें पंडरिया जनपद पंचायत के राजेश राजेशी, रथवारापा, लोचन कांडाकर, किशनगढ़, कवल

चंदवरी डोंगायिंग, सुरेश चंद्रकार, क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर्शिका क्रमांक-3640 (ए)

पंगाविवि./22/2008, दिनांक 22/08/2008 द्वारा पंचायतकर्मियों की सेवा शर्तों हेतु मार्गदर



नवजात बच्चे के लिए बेहद जरूरी है धूप, जान लें सही टाइम और खतरे

हमारे यहां दादी-नानी के जमाने से ही बच्चों को धूप दिखाने की आदत रही है। नवजात बच्चे के लिए सर्दियों की धूप बेहद फायदेमंद मानी जाती है। गुनगुनी धूप से बच्चे के शरीर को ढेर सारे फायदे मिलते हैं। हालांकि, कई महिलाएं अपने बच्चे को धूप में ले जाने से बचती हैं। उन्हें लगता है कि इससे उनकी तबीयत बिगड़ सकती है। अगर आपको भी ऐसा ही लगता है तो यहां जानिए बच्चे को धूप में ले जाने का सही टाइम, इसके फायदे और साइड इफेक्ट्स...

नवजात बच्चों को सर्दियों में धूप जरूर दिखानी चाहिए, शरीर में धूप लगने से कई तरह के इंफेक्शन और बीमारियां से बच्चे बचते हैं। धूप की गर्मी से शरीर में गर्माहट आती है, जिससे बच्चा एन्जीटिक बना रहता है। ठंड के मौसम में बच्चों को सुबह 9 से 11 बजे तक धूप में ले जा सकते हैं। उनके लिए 15 से 30 मिनट की धूप काफी है। इससे ज्यादा धूप में बच्चों को न रखें। दोपहर के बक बच्चे को धूप में ले जाने से बचें।

नवजात बच्चे के लिए धूप कितना जरूरी

हड्डियों को मिलती है मजबूती

नवजात शिशु को थोड़ी देर धूप में ले जाने से उनकी हड्डियां मजबूत बनती हैं। उन्हें अच्छी

तरह विटामिन डी मिलता है, जो शरीर में कैल्शियम को अवशेषित करने में मदद करता है।

समय से पहले जन्मे बच्चों में विटामिन डी की कमी होती है, ऐसे में थोड़ी देर धूप उनके लिए अच्छी हो सकती है।

बच्चे का दिमाग बढ़ता है

सर्दियों की धूप दिलाने से नवजात बच्चों के दिमाग की ग्रोथ अच्छी तरह होती है। इससे दिमाग में सेरोटोनिनिक की एक्टिविटी बढ़ती है। सेरोटोनिन हामोन मूड को कंट्रोल करने का काम करता है। धूप में बच्चे का सेरोटोनिन सही बना रहता है।

जॉन्डिस से बच्चे बचेंगे

बच्चे को धूप में ले जाने से जॉन्डिस यानी पीलिया का खतरा कम हो सकता है। कई अध्ययन में बताया गया है कि धूप बिल्लबिन तोड़ने में मदद मिलती है। इससे त्वचा पीली पड़ जाती है, बच्चे को कुछ समय के लिए धूप में ले जाने से इस बीमारी को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर बच्चा बीमार है तो डॉक्टर की सलाह पर ही धूप ले जाएं।

सर्दियों में बच्चों को धूप कैसे दिखाएं
1. बच्चे की ल्पचा नाजुक होती है, इसलिए धून रखें धूप से उनकी ल्पचा लाल न हो।
2. धूप में डिलाइशन से बच्चे को ब्रेस्ट फिलिंग करवाएं।
3. धूप में ले जाने से पहले बच्चे को कैप बनाएं ताकि उनकी आंखों और चेहरे पर धूप सीधे न पड़े।
4. बच्चे को धूप में ले जाने से पहले उन्हें आरामदायक कपड़े फैलाएं ताकि सीधी धूप से उनकी ल्पचा चले।

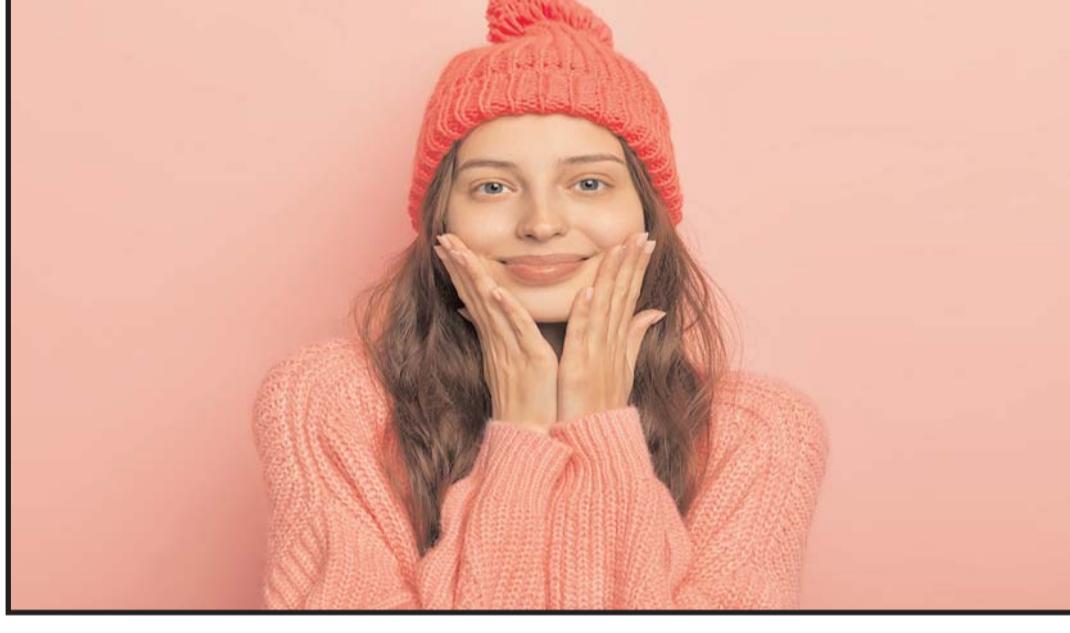
5. अगर धूप में तेज हवा चल रही है तो बच्चे को बाहर न लेकर जाएं। बच्चे के लिए धूप के साइड इफेक्ट्स

1. ज्यादा धूप की वजह से बच्चे में स्किन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसकी वजह से सनबर्न, स्किन इफेक्शन या स्किन काला पड़ जाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

2. ज्यादा धूप से बच्चे को आंखों से

सर्दियां शुरू होते ही आपको भी होने लगी हैं ड्राइनेस की दिवकरत? ये घरेलू नुस्खे आएंगे काम

मौसम बदलने के साथ स्किन से जुड़ी कई तरह की समस्या भी बढ़ जाती है। अकसर लोग ड्राई टिकन की समस्या से काफी ज्यादा परेशान रहते हैं। मौसम में जैसे-जैसे नवी बढ़ती है शरीर में नवी की कमी होने लगती है। टिकन में नमी बनाए रखने के लिए लोग अकसर कई सारे क्रीम का इस्तोल करते हैं। जिनकी टिकन काफी ज्यादा ड्राई हो रही है वैसे लोगों को अकसर नहाते तक गर्म पानी का इस्तोलाल करना चाहिए। ज्यादा गर्म पानी से नहाने से टिकन काफी ज्यादा ड्राई होती है। इसलिए गुनगुने पानी से नहाएं। खुद को हाइट्रेट रखें : हर दिन कम से कम आठ गिलास तरल पार्थर पिएं, जिसमें चाय, दूध और कॉफी शामिल हैं। विटामिन ए, सी और ई जैसे एटीऑक्सीडेंट से भरपूर आहार लें।



लगातार मॉइस्चराइज़ करें: अपनी त्वचा को धोने के तुरंत बाद मॉइस्चराइज़र लगाएं। आप लोशन की जगह मलहम या क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नारियल का तेल: इसमें संतुष्ट वसा अम्ल होते हैं जो शुष्क त्वचा में मौजूद दरारों को भरने के लिए एक एमोनिएट के रूप में काम करते हैं।

शब्द: इसमें सूजन-रोधी और रोगाणुरोधी गुण होते हैं। एलोवेरा: इसमें पॉलीसेरेकाइड होते हैं जो त्वचा के विकास को प्रोत्साहित करने और शुष्क, चिंडिचिंडी त्वचा को ठीक करने में मदद कर सकते हैं।

दलिया: नहाने में डालने या क्रीम में इस्तेमाल करने पर शुष्क त्वचा से गहर दिलाने में मदद कर सकता है। लंबे समय तक गर्म पानी से नहाने से आपकी त्वचा से तेल निकल सकता है। अपने नहाने के समय को 5-10 मिनट तक सीमित रखें और गर्म पानी का इस्तेमाल करें।

ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें: ह्यूमिडिफायर आपके घर के अंदर की हवा में नमी जोड़ सकता है। नमी का स्तर 30 लीटर से ऊपर रखें।

दस्ताने पहनें: दस्ताने आपके हाथों को पर्यावरणीय कारकों से बचा सकते हैं जो आपकी त्वचा को शुष्क कर सकते हैं।

कोमल त्वचा देखभाल उत्पादों का उपयोग करें। कठोर, शुष्क करने वाले साबुन, डिओडोरेंट, जीवाणुरोधी डिटर्जेंट, सुगंध और अल्कोहल से बचें।

सूखी खांसी से पाना चाहते हैं छुटकारा? इन 5 तरीकों से मुळेन तेल का करें इस्तेमाल



सूखी खांसी एक आम समस्या है, जो कई कारणों से हो सकती है। मुळेन तेल एक ऐसा एसेंशियल ऑयल है, जो सूखी खांसी को कम करने में मदद कर सकता है। यह तेल मुळेन पौधे के पत्तों और फूलों से निकाला जाता है और इसमें एटी-इंप्लेमेट्री और बैक्टीरिया हटाने वाले गुण होते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे मुळेन तेल का उपयोग करके आप सूखी खांसी से राहत पा सकते हैं।

चाय में मिलाएं

मुळेन तेल का सेवन चाय के रूप में भी किया जा सकता है। इसके लिए एक कप गर्म पानी में कुछ बूदें मुळेन तेल की मिलाएं और इसे थीर-थीरे पिएं। यह चाय आपके गले को नमी प्रदान करेगी, सूजन कम करेगी और गले की खांस को ठीक करेगी। इससे आपकी सूखी खांसी में राहत मिलेगी और आप बेहतर महसूस करेंगे। इस चाय को दिन में 2-3 बार पीने से जल्दी आराम मिलेगा।

मुळेन तेल की भाप लें

मुळेन तेल की भाप लेना सूखी खांसी के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी ले और उसमें कुछ बूदें मुळेन तेल की डालकर इस भाप को गहरी सास लेते हुए अदर लें। इससे आपके गले और श्वास तंत्र को आराम मिलेगा, बलाक लीला होगा और सूखी खांसी कम होगी। यह प्रक्रिया दिन में 2 से 3 बार करें। ताकि आपको जल्दी आराम मिल सकें।

गले की खाश के लिए नमक के पानी से गरारे करना अच्छा इलाज है? जानिए सत्यार्थी



गले की खाश एक आम समस्या है, जिससे हम सभी कमी न कभी गुजरते हैं। इस समस्या से राहत पाने के लिए कई घेरेलू उपाय अपनाए जाते हैं, जिनमें से एक है नमक पानी से गरारे करना। यह उपचार काल से होता है और माना जाता है कि इससे गले की सूजन कम होती है और आराम मिलता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इसके प्रभाव सीमित होते हैं और यह केवल अस्थायी राहत प्रदान करता है।

नमक के पानी के फायदे

नमक के पानी का इस्तेमाल प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। यह माना जाता है कि नमक में एटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया को मारने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा गरारे करने से गले की सूजन कम होती है और आराम मिलता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इसके प्रभाव सीमित होते हैं और यह केवल अस्थायी राहत प्रदान करता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, नमक के पानी से गरारे करने का कोई थोस प्रमाण नहीं मिला है कि यह गले की खाश को पूरी तरह ठीक कर सकता है। कुछ शोध बताते हैं कि इससे थोड़ी बहुत राहत मिलती है, लेकिन इसे इलाज का स्थायी तरीका नहीं माना जा सकता। इसलिए, इसे केवल सहायक उपाय के रूप में ही देखा जाना चाहिए। और इसके लिए निर्भर रहना चाहिए।

अन्य उपचार विकल्प

गले की खाश के लिए

